09.12.2014

सर्व खज़ानों से सम्पन्न एक बाप के साथ सर्व अधिकारी आत्माओं की रूहरूहान

पहली स्मृति

ऑख खुलते ही संकल्प करें क मैं आत्मा हूॅ । मैं इस धरा को प्रकाशमय करने के लिए

स्वीट लाइट के होम से अवतरित हुई हूॅ ।

मैं कौन हूॅ

मैं बाबा के सर्व खज़ानों की अधिकारी आत्मा हूॅ । मैं ब्राहम्ण आत्मा बापदादा से मिलन मनाकर अपने सर्व अधिकार प्राप्त कर रही हूॅ ।

मैं किसकी हूॅ

आत्मा की बाबा से रूहरिहान

मीठे बाबा । गुड मॉरनिंग । मैं आपकी हूॅ । आपका खज़ाना मेरे लिए सदा खुला है ।

आप मुझे बेहद का खज़ाना दे रहे हैं ।

बाबा की आत्मा से रूहरिहान

मीठे बच्चे। जागो । मेरे साथ बैठो । बाबा का सब खज़ाना तुम्हारा ही तो है । बाबा तुम्हें विश्‍व राज्य तख़्त का अधिकारी बनाने आए हैं । राजा तो सिर्फ थोड़े समय के लिए राज्य तख़्त पर बैठता है लेकिन तुम्हें तो बेहद का राज्य तख़्त पाने का गोल्डन

चांस मिला है । तुम तो अपनी गोल्डन स्टेज से भविष्य गोल्डन दुनिया में श्रेष्ठ पद पा सकते हो ।

बाबा से प्रेरणाऍं

अपने मन को सर्व बातों से हटाकर बाबा में लगाऍं । बाबा है साइलेन्स का सागर । इस साइलेन्स मे़ं मैं बाबा से प्रेरणायुक्त व पवित्र सेवा के संकल्प ले रही हॅू ।

बाबा से वरदान

सूक्ष्म वतन में मीठे बाबा के सामने मेरा फरिश्ता स्व्रूप स्पष्ट दिखाई दे रहा है । बहुत प्यार व शक्तिशाली दृष्टि से बाबा मुझे वरदान दे रहे हैं

तुमने बाप को निरंतर अपना मीठा साथी बनाया है । इसलिए तुम्हें सदा बाप का सहारा है । तुम परिस्थितियों को शक्तिशाली पंखों से उड़कर पार करने वाले सहज व नेचुरल पुरूषार्थी हो ।

बेहद की सूक्ष्म सेवा

आखरी के पन्द्रह मिनट – प्रात 4 । 45 से 5 बजे तक

बाबा द्वारा प्राप्त हुए इस वरदान को मैं पूरे संसार को वरदाता बन कर अपने शुभ संकल्पों द्वारा दे रही हॅू । अपनी फरिशता ड्रेस पहनकर मैं विश्व भ्रमण करते हुए सर्व आत्माओं को ये वरदान दे रही हॅू ।

रात्रि सोने के पहले

आवाज़ की दुनिया से पार जाकर अपनी स्टेज को स्थिर बनाएॅ । चेक करें आज मैंने दिन भर में किसी बात की अवज्ञा तो नहीं की अगर हॉ तो बाबा को बताएॅ । किसी के मोह व आकर्षण में बुद्धि तो नहीं फॅसीॠ अपने कर्मों का चार्ट बनाएॅ । तीस मिनट के योग द्वारा किसी भी गलत कर्म के प्रभाव से स्वयॅ को मुक्त करें । अपने दिल को साफ व हल्का कर सोएॅ ।